

ज. भारत माझी देशों को अनावृत्त वीक्षण 'मोट' के नाम के लिए  
लोचिनाम के राजा पितापुत्र II ने 1876 ई. में  
भाषीयन जिहा मोट अंतराष्ट्रीय संस्था की स्थापना  
में यूरोपीय देशों के साथ भाषी विवादों का शांतिपूर्ण  
रास्ते ।

- फ्रांसीसी ने जाँको की समस्या तथा अन्य विवादों के निपटारे के लिए माँगे की। यह नवंबर 1894 ई. से जून 1895 ई. तक चला। इसमें जाँको ने सभी यूरोपीय राज्यों को आपा-भाँट नोंपाबद्ध की व्यवस्था की के चुनाव सम्मेलन संचालन के लिए एक भाषा की स्थापना हुई।
- बर्लिन सम्मेलन में अफ्रीका के शेषांश व औसत विकास को यूरोप को असाया गया था, लेकिन यूरोपीय राज्यों ने अफ्रीका को आपा-भाँट में बाँटने के कई भयानक पैदा हुए लेकिन कोई बड़ा टकराव नहीं हुआ।

विभिन्न यूरोपीय देशों के भूदृष्टि में वर्गीकरण

श्रौत  $\Rightarrow$  अल्पीत्या, मोरम्, धूमिल, भाइवी नाल भादि  
इत्येवं  $\Rightarrow$  मिल मरु की

इलेक्ट्रॉन → मिल, ध्वनि, दृष्टि, शक्ति, ताप, नाइट्रोजन

અમંતી = ~~૦૦૦૦૦૦~~, ~~૦૦૦૦૦૦~~, ~~૦૦૦૦૦૦~~, ~~૦૦૦૦૦૦~~

कुल्लुवाल = कुल्लुवाल, पूवी मोजाविक